वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र : 2022-23
कक्षा – 6 (स्तर 1)
विषय – हिंदी

(वसंत भाग 1) पाठ संख्या और नाम	विधा/विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ 1. वह चिड़िया जो (केदारनाथ अग्रवाल)	कविता / प्रकृति एक चिड़िया जो उन्मुक्त प्राकृतिक वातावरण/ परिवेश में प्रसन्न/ संतुष्ट है।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय-वस्तु-** **कक्षा 4 – का. सं. 60A, 63A, 66A** विशेषण की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 39A** विशेषण का प्रयोग **कक्षा 6 –** विशेषण के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित विषयों पर आधारित अपठित पद्यांश का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - प्राकृतिक परिवेश, जीव-जंतु के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 11-13 • प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित विन्दुओं पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन
पाठ .3 नादान – दोस्त प्रेमचंद	कहानी / बाल सुलभ क्रियाओं का वर्णन। बच्चे नादानी में गलती कर देते हैं, जबकि उनका उद्देश्य अच्छा है। पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनात्मक भाव	**कक्षा 4 – का. सं. 52A** सर्वनाम की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10** सर्वनाम का प्रयोग **कक्षा 6 –** सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **पुरुषवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग अपने बचपन की किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी/ अनुच्छेद लेखन	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - महान कथाकार प्रेमचंद एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे , - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेंगे, - पक्षियों के अंडे एवं उनके रख-रखाव के बारे में समझेंगे, - नादानी में की गई गलतियों एवं उनके परिणाम के बारे में सोचने का प्रयास करेंगे, - माता-पिता एवं अभिभावक द्वारा दिए गए निर्देशों का महत्त्व समझेंगे,	• कार्यपत्रक सं. 20-29 • बचपन में की गई किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी वाचन/ चर्चा

			- पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे । अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	
पाठ 5. अक्षरों का महत्व गुणाकर मूले	निबंध/ अक्षरों के बारे में जानकारी देते हुए तथ्यपरक निबंध अक्षरों के इतिहास, मानव सभ्यता और विकास में उनका महत्त्व	**कक्षा 4 – का. सं. 60A, 63A, 66A** विशेषण की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 39A** विशेषण का प्रयोग **कक्षा 6 –** संख्यावाची विशेषण की पहचान और प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **संख्यावाची विशेषण** की पहचान और प्रयोग **उपसर्ग** की पहचान और प्रयोग	- 'निबंध 'शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - इस ज्ञानपाठ के माध्यम से भाषा वर्धक- के उद्गम एवं विकास को समझने का ,प्रयास करेंगें - प्रारंभिक संकेत लिपि के बारे में जानेंगे, - अक्षरों का हमारे जीवन में कितना महत्त्व है ,इसे जान सकेंगे , - कुछ प्राचीन भाषा एवं लिपियों के नाम से अवगत होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 30-34

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**

ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा" कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं । गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।

मध्यावधि परीक्षा

पाठ 7. साथी हाथ बढ़ाना साहिर लुधियानवी	गीत/ सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना	**कक्षा 4 – का. सं. -52A** सर्वनाम की पहचान लिंग: पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10** सर्वनाम का प्रयोग लिंग: प्रयोग **कक्षा 6 –** सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **निजवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **पर्यायवाची और समानार्थी शब्दों** की पहचान और प्रयोग लिंग: प्रयोग और अभ्यास वचन: प्रयोग और अभ्यास मुहावरे के अर्थ को समझना और वाक्य में प्रयोग करना एक-एक ग्यारह, मुहावरे के माध्यम से सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना विकसित करने का प्रयास किया जा सकता है।	- भावानुकूल ,सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - कविता के मूलभाव यथा सहकारिता , सहयोग एवं परोपकार की भावना से परिचित होंगे एवं अपने जीवन में भी आत्मसात् कर सकेंगे, - की भावना से 'एक और एक ग्यारह' परस्पर सहयोग की परिचित होते हुए भावना समझने का प्रयत्न करेंगे - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 35-38 मुहावरे के अर्थ को समझकर वाक्य में प्रयोग करने का अभ्यास
पाठ 8 ऐसे – ऐसे विष्णु प्रभाकर	एकांकी/ विद्यालय न जाने के बहाने बनाने के विषय को लेकर हास्य एकांकी एकांकी के विषयवस्तु-, पात्र , घटनाक्रम आदि ,संवाद पर चर्चा एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखने का नज़रिया कल्पनात्मकता का विकास	**कक्षा 4 – का. सं. 52A,** सर्वनाम की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10** सर्वनाम का प्रयोग **कक्षा 6 –** सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **निजवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग	एकांकी शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, भावानुकूल एवं पात्रानुकूल आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, विद्यार्थी विद्यालय जाने के लिए किस- किस प्रकार के बहाने बनाते हैं, इसे जान सकेंगे एकांकी के विषय-वस्तु एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखते है, पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि शब्दों से परिचित हो सकेंगे, पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 39-46 • विद्यालय न जाने के बहाने बनाने के विषय को लेकर विद्यार्थी अपने अनुभव को कक्षा में साझा/ चर्चा करें।

पाठ.12 संसार पुस्तक है जवाहर लाल नेहरु	पत्र/ पत्र लेखन के महत्त्व- अनुभव जन्य सीख और चिंतन की प्रवृति का विकास महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासा और उनसे ली गई प्रेरणा अथवा सीख	**कक्षा 4 – का. सं. 112A, 142A** प्रत्यय शब्द से परिचित योजक चिह्न शब्द से परिचित **कक्षा 5 – का. सं. 55A** प्रत्यय शब्दों की पहचान योजक चिह्नों की पहचान **कक्षा 6 –** प्रत्यय शब्दों का प्रयोग योजक चिह्नों का प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – योजक चिह्नों का अभ्यास प्रत्यय शब्दों का अभ्यास	- 'पत्र' विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - जवाहरलाल नेहरु के नाम एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पत्रलेखन के महत्त्व- को समझ सकेंगे, - पत्र,लेखन के लिए प्रेरित होंगे- - महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासु होंगे , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	**--**
पाठ 13 मैं सबसे छोटी होऊँ सुमित्रानंदन पंत	कविता/ बाल - सुलभ मनोभावों की अभिव्यक्ति बाल - सुलभ अपेक्षाओं पर चर्चा	**कक्षा 4 – का. सं. 19A, 27A** **पर्यायवाची शब्दों** से परिचित **समानार्थी शब्दों** से परिचित **कक्षा 5 – का. सं. 22A, 33A** **पर्यायवाची शब्दों** की पहचान **समानार्थी शब्दों** की पहचान **कक्षा 6 –** **पर्यायवाची और समानार्थी शब्दों** की पहचान और प्रयोग	- बाल सुलभ-कविता से परिचित होंगें, - भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - बाल सुलभ अपेक्षाओं को जान सकेंगे, - माँ और बच्चे के बीच के वात्सल्य भाव की अनुभूति कर सकेंगे , - अपने बचपन की स्मृतियों को अभिव्यक्त करने का प्रयास कर सकते हैं , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें ।	-- बाल - सुलभ अपेक्षाओं पर चर्चा

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2023 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा जाएगा।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
  ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा" कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं | गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।

वार्षिक परीक्षा